पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद लखीमपुर खीरी में विधानसभा पलिया, श्रीनगर, निघासन तथा गोला में 817.44 करोड़ रु0 लागत की 314 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने 6,706 परिवारों को भौमिक अधिकार पत्र प्रदान किये, इसमें स्थानीय 4,356 थारू परिवार तथा पूर्वी उ0प्र0 से यहां आवासित 2,350 परिवार सम्मिलित

विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र, आवास की प्रतीकात्मक चाभी तथा प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये

आज का कार्यक्रम भौमिक अधिकार प्रदान करने का आयोजन मात्र नहीं, बल्कि अधिकार से आत्मनिर्भरता तथा आत्मनिर्भरता से आत्मसम्मान की ऐतिहासिक यात्रा का वृतान्त : मुख्यमंत्री

पलिया में दशकों की अधूरी यात्रा आज इस पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से आगे बढ़ रही, यह भौमिक अधिकार आत्मसम्मान के साथ पूर्णत्व तक पहुंचकर इतिहास के स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाने वाले नए अध्याय की शुरुआत कर रहा

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार वह कार्य कर रही, जो पहले कभी नहीं हुआ, यह क्षेत्र पुनर्वास से विकास, और विकास से समृद्धि की ओर बढ़ रहा

शासन की खुशी का आधार उसकी व्यक्तिगत अभिलाषा का पूर्ण होना नहीं, बल्कि जनता–जनार्दन की खुशी, यह कार्य तभी होता, जब शासन–सत्ता में संवेदना होती

आज का दिन आपके संघर्ष को सम्मान देने का दिन, यहां थारू समुदाय के लोगों पर दर्ज किये गये फर्जी मुकदमे वापस लिये जाएंगे

यहां की उपजाऊ भूमि, किसानों के परिश्रम, नागरिकों के पुरुषार्थ के कारण लखीमपुर खीरी का वास्तविक नाम लक्ष्मीपुर, अब यह जनपद माफिया, गुण्डा, दंगा तथा कर्फ्यू मुक्त हो चुका

लखीमपुर खीरी की पहचान दुधवा नेशनल पार्क, पलिया के एयरपोर्ट, चन्दन चौकी, बाबा गोला–गोकर्णनाथ तथा श्रीनगर में स्थापित मेडिकल कॉलेज से हो रही

जहां बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर, सद्गुरु रविदास जी, महर्षि वाल्मीकि की मूर्तियां, यदि वहां बाउंड्री वाल तथा छत्र नहीं, वहां बाउंड्री वाल व छत्र का निर्माण होगा

महर्षि वाल्मीकि जी ने भगवान श्रीराम से हम सभी का साक्षात्कार कराया, इनका सम्मान आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व

प्रदेश सरकार 'एक जनपद–एक व्यंजन' योजना के अन्तर्गत अच्छे व्यंजनों की ब्राण्डिंग कर उन्हें वैश्विक मान्यता दिलाने का कार्य करेगी

लखनऊ : 11 अप्रैल, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि हमारा शास्त्र कहता है कि 'प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्' अर्थात सच्चा शासन वहीं है, जहां प्रजा सुखी रहे और शासन का कल्याण राज्य की जनता के कल्याण में है। शासन की खुशी का आधार उसकी व्यक्तिगत

अभिलाषा का पूर्ण होना नहीं, बल्कि जनता–जनार्दन की खुशी होना चाहिए। यह कार्य तभी होता है, जब शासन–सत्ता में संवेदना होती है। संवेदना, बिना भेदभाव जनता–जनार्दन तक पहुंचती है। सेवा के माध्यम से इसी प्रकार के कार्य फलित होते हैं। जैसे आज यहां लाभार्थियों को भौमिक अधिकार, विभिन्न विकास परियोजनाओं तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। यह संवेदना को सेवा में बदलने का परिणाम है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद लखीमपुर खीरी में विधानसभा पलिया, श्रीनगर, निघासन तथा गोला में 817.44 करोड़ रुपये लागत की 314 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 6,706 परिवारों को भौमिक अधिकार पत्र प्रदान किये। इसमें स्थानीय 4,356 थारू परिवार तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश से यहां आवासित 2,350 परिवार सम्मिलित हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र, आवास की प्रतीकात्मक चाभी तथा प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का कार्यक्रम केवल अधिकार प्राप्त करने का आयोजन मात्र नहीं, बल्कि अधिकार से आत्मनिर्भरता तथा आत्मनिर्भरता से आत्मसम्मान की ऐतिहासिक यात्रा का वृतान्त भी है। लाभार्थियों को अधिकार के साथ–साथ आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की गारण्टी प्राप्त हो रही है। अब कोई भी उनके अधिकार में हस्तक्षेप तथा उनसे अवैध वसूली नहीं कर सकता। खेत का गलत लेखा–जोखा प्रस्तुत कर किसी दबंग से कब्जा नहीं करवा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पलिया में दशकों की अधूरी यात्रा आज इस पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से आगे बढ़ रही है। यह भौमिक अधिकार आत्मसम्मान के साथ पूर्णत्व तक पहुंचकर इतिहास के स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाने वाले नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। जब जनता और सरकार के बीच विश्वास का सेतु बनता है, तो वही विश्वास अधिकार बन कर धरातल पर उतरता है। आज हम पलिया में वही दृश्य देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चन्दन चौकी इस भूमि का गौरव और पहचान है, जहां वनवासी संस्कृति की जड़ें, उसके स्वाभिमान की ऊंचाई और तराई की उर्वरता एक साथ फलती–फूलती हैं। एक ओर थारू समाज अपने स्वर्णिम इतिहास को शौर्य और वीरता के साथ जोड़ता है और गर्व से कहता है कि हम महाराणा प्रताप के वंशज हैं। हमारे पूर्वजों ने महाराणा प्रताप के साथ मिलकर हल्दी घाटी के युद्ध में योगदान दिया था, वहीं चन्दन चौकी और उसके आस–पास के क्षेत्र में दर्जनों थारू बाहुल्य गांव अपनी पहचान के लिए मोहताज थे। आज का दिन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज महाराणा प्रताप के इन वंशजों को भौमिक अधिकार प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कल, 12 अप्रैल को अपने शौर्य और पराक्रम के लिए विख्यात महाराणा सांगा की जयन्ती है। उनकी जयन्ती के 01 दिन पूर्व आपको यह अधिकार मिलना आपकी गौरवशाली यात्रा को आगे बढ़ाने की डबल इंजन सरकार की शक्ति और गति को प्रदर्शित करता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए वे लोग, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। ब्रिटिश कालखण्ड में उनके अधिकार बाधित कर दिए गए थे। जमीनों पर ब्रिटिशर ने कब्जा कर लिया था। उन्हें यातनाएं देते हुए काला पानी तथा

फांसी की सजाएं दीं। बिना सुनवाई देश से निकाल दिया गया। वह लोग देश की आजादी के बाद स्वतन्त्र हुए। तत्कालीन सरकार ने उन्हें बसाने की व्यवस्था की, लेकिन उनको जमीन का अधिकार उपलब्ध नहीं करा पाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 1976 में थारू समाज के इन गांवों में उन्हें जमीन देने की बात कही गई थी, लेकिन वह जमीन का अधिकार कभी नहीं प्राप्त कर पाए। वर्ष 1955 में पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए इन स्वाधीनता संग्राम सेनानियों को भी जमीन का मालिकाना अधिकार नहीं प्राप्त हो पाया। पिछली सरकारों में संवेदना का अभाव था। जिस जमीन पर आपका कब्जा है, आप कृषि करते हैं, आपकी फसल लहलहाती है, वहां डबल इंजन सरकार आपके सपने को आकार देने हेतु भौमिक अधिकार प्रदान कर रही है। आज थारू समाज के 4,356 परिवारों को 5,338 हेक्टेयर भूमि का अधिकार पत्र सौंपा गया है। यह भौमिक अधिकार आपके सपनों को नया पंख दे सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए 2,350 परिवारों को 4,251 हेक्टेयर भूमि का भौमिक अधिकार प्रदान किया गया है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार वह कार्य कर रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ। यही तो सरकार की संवेदनशीलता है। हर नागरिक को उसका अधिकार मिलना चाहिए। प्रदेश की 25 करोड़ आबादी हमारा परिवार है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में समान रूप से विकास हो रहा है। स्वामित्व योजना के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में, जहां जिसका घर है उसको वहीं पर मालिकाना अधिकार उपलब्ध कराया जा रहा है। अब जमीन भी उनकी, नाम भी उनका, सम्मान भी उनका और पहचान भी उनकी। यह विकास की नई धारा को आगे बढ़ाने की पहल है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विधायक श्री रोमी साहनी ने यहां जनता की लड़ाई लड़ी और विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया। आज मैं उनको यहां एक नई जिम्मेदारी देने जा रहा हूं। अर्थव्यवस्था को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है और व्यवसाय से अभिवृद्धि कैसे हो सकती है, रोमी जी ने इसके कुछ मॉडल दिए हैं। मैंने आपकी बेकरी के बारे में काफी सुना है। मैं चाहूंगा कि यहां चन्दन चौकी और उसके आस–पास भी आप कुछ ऐसा व्यवसाय खड़ा करें, जिससे इन थारू समुदाय के लोगों के लिए आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त हो सके। यहां संचालित स्वयंसेवी समूहों के माध्यम से इस तराई क्षेत्र के साथ–साथ उत्तराखण्ड में भी आपकी बेकरी के प्रोडक्ट भेजे जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह क्षेत्र पुनर्वास से विकास, और विकास से समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। जरूरतमन्दों को मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास की गारण्टी मिल रही है। जब किसी परिवार को घर मिलता है, तो उसे केवल घर पाने की खुशी नहीं होती, बल्कि सुरक्षा व सम्मान भी प्राप्त होता है। यह स्वावलम्बन और आत्मनिर्भरता की नई गाथा को प्रस्तुत करता है। डबल इंजन सरकार प्रत्येक बेघर को आवास, प्रत्येक खेत को पानी तथा प्रत्येक युवा को काम उपलब्ध करा रही है। आज का दिन आपके संघर्ष को सम्मान देने का दिन है। यहां थारू समुदाय के लोगों पर दर्ज किये गये फर्जी मुकदमे वापस लिये जाएंगे। अब इन पर कोई अत्याचार नहीं कर पाएगा, क्योंकि डबल इंजन सरकार इनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि थारू समुदाय की बेटियों ने यहां परम्परा से प्रगति तक की यात्रा का शानदार मंचन प्रस्तुत किया। मंचन देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे यह कलाकार साक्षात राजस्थान से यहां आए हों। वैसे आप लोग सैकड़ों वर्ष पूर्व वहां से यहां विपरीत परिस्थितियों में आए थे। इसके बावजूद आपने अपनी संस्कृति को बचाए रखा। डबल इंजन सरकार का संकल्प प्रत्येक दलित, वंचित, वनवासी तथा जनजाति समुदाय के लोगों को अधिकार प्रदान करने का है। यह भौमिक अधिकार उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि थारू जनजाति के इस क्षेत्र में आज 300 से अधिक महिला स्वयंसेवी समूह कार्य कर रहे हैं। डबल इंजन सरकार ने प्रत्येक समूह को 30 हजार रुपये का रिवॉल्विंग फण्ड और 1.5 लाख रुपये का कम्युनिटी इन्वेस्टमेण्ट फण्ड उपलब्ध कराया है। इस क्षेत्र में बहुत सम्भावनाएं हैं। यहां फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स लग सकती हैं। यह सरकार आपके साथ खड़ी है। असमय अतिवृष्टि और ओलावृष्टि के कारण हमारे अन्नदाता किसानों को नुकसान पहुंचा है। प्रदेश सरकार ने शीघ्र सर्वे पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है, ताकि जिन अन्नदाता किसानों को हानि हुई है, उनकी खड़ी फसल को नुकसान हुआ है, उन्हें फसल बीमा योजना के साथ–साथ आपदा राहत कोष से भी धनराशि दी जा सके। जन हानि तथा पशु हानि की स्थिति में 24 घण्टे के अन्दर राहत राशि उपलब्ध कराने को कहा गया है। अग्निकाण्ड के कारण फसल का नुकसान होने पर मण्डी समिति को मुआवजा उपलब्ध कराने तथा किसी का घर जलने या आंधी–तूफान से नष्ट हो गया है, तो उसे मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि थारू समुदाय अब केवल लाभार्थी ही नहीं, बल्कि उद्यमी बनने की दिशा में अग्रसर है। लखीमपुर खीरी में स्थापित थारू हस्तशिल्प कम्पनी उसी सोच का प्रतीक है। प्रधानमंत्री जी थारू हस्तशिल्प का अनेक बार उल्लेख कर चुके हैं। प्रधानमंत्री जी की सोच व उनके विज़न को धरातल पर उतारने तथा आपकी प्रगति के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। थारू समाज का प्रोडक्ट अब राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचेगा। उसे वैश्विक मान्यता मिलेगी, जिससे थारू समुदाय के लोग स्वावलम्बन तथा रोजगार से जुड़ेंगे। डबल इंजन सरकार ने विगत 09 वर्षों में प्रदेश में बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक गांव, गरीब, किसान तथा युवाओं को उपलब्ध कराने का कार्य किया है। प्रदेश सरकार ने पूर्ववर्ती सरकारों की संकुचित सोच को सन्तुष्टिकरण में बदलने का काम किया है। 'सबका साथ–सबका विकास' उस सन्तुष्टिकरण का आधार है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार यहां श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर की तर्ज पर छोटी काशी के रूप में विख्यात गोला–गोकर्णनाथ के मन्दिर का भव्य कॉरिडोर के निर्माण कार्य को आगे बढा रही है। गोला विधानसभा क्षेत्र में देश का पहला पी0एल0ए0 प्लाण्ट स्थापित हो रहा है। इससे हजारों युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। हम वहां एक प्लास्टिक पार्क के निर्माण की योजना बनाने जा रहे हैं। गोला–गोकर्णनाथ में भगवान देवाधिदेव महादेव का भव्य कॉरिडोर बनने से यहां नया तीर्थ विकसित होगा, जिससे देश–दुनिया के अनेक श्रद्धालु आकर्षित होंगे। यहां के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र द्वारा दिये गये प्रस्तावों को आगे बढ़ाया गया है। श्रीनगर में मेडिकल कॉलेज बन गया। यहां बाढ़ व कटान

के प्रकोप से मुक्ति दिलाने के लिए शारदा नदी की ड्रेजिंग कराई गयी। प्रदेश सरकार पलिया को एयर कनेक्टिविटी के साथ जोड़ने की तैयारी कर रही है। यहां का एयरपोर्ट मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां की उपजाऊ भूमि, किसानों के परिश्रम, नागरिकों के पुरुषार्थ के कारण लखीमपुर खीरी का वास्तविक नाम लक्ष्मीपुर था। यह धन–धान्य से परिपूर्ण तथा प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर जनपद था। पिछली सरकारों में यह जनपद गुण्डों व माफियाओं का अड्डा बन गया है। अब यह जनपद माफिया, गुण्डा, दंगा तथा कर्फ्यू मुक्त हो चुका है। आज लखीमपुर खीरी की पहचान दुधवा नेशनल पार्क, पलिया के एयरपोर्ट, चन्दन चौकी, बाबा गोला–गोकर्णनाथ तथा श्रीनगर में स्थापित मेडिकल कॉलेज से हो रही है। अब कोई लखीमपुर खीरी पर उंगली नहीं उठा सकता। कोई माफिया यहां नहीं पनप सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने तय किया है कि जहां बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर, सद्गुरु रविदास जी महाराज, महर्षि वाल्मीकि जी की मूर्तियां हैं, यदि वहां बाउण्ड्री वाल तथा छत्र नहीं है, वहां बाउण्ड्रीवॉल तथा छत्र का निर्माण किया जाएगा। आज ज्योतिबा फुले जी की पावन जयन्ती है। उन्होंने शिक्षा तथा समाज सुधार के लिए अनेक कदम उठाए थे। सरकार उनके गौरव को आगे बढ़ाने का कार्य करेगी। महर्षि वाल्मीकि जी ने भगवान श्रीराम से हम सभी का साक्षात्कार कराया। इनका सम्मान आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार 'एक जनपद–एक व्यंजन' योजना के अन्तर्गत अच्छे व्यंजनों की ब्राण्डिंग कर उन्हें वैश्विक मान्यता दिलाने का कार्य करेगी। उर्वर भूमि से युक्त लखीमपुर खीरी क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा जनपद है। यहां कुछ ऐसा करके दिखाइए कि यहां के व्यंजनों की महक पूरे देश में फैलती हुई दिखाई दे। आज प्रदेश में वह सब कुछ प्राप्त हो रहा है, जो वर्षों की अभिलाषा थी। यहां किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। प्रोक्योरमेण्ट के कार्यक्रम चल रहे हैं। प्रत्येक किसान की उपज की एम0एस0पी0 का डेढ़ गुना लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। ट्यूबवेल के लिए बिजली के निःशुल्क कनेक्शन देने के साथ बिजली बिल भी माफ किए गए हैं।

कार्यक्रम में जनजातीय समुदाय से सम्बन्धित पारम्परिक नृत्यों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम को वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अरुण कुमार सक्सेना तथा विधायक श्री हरविन्दर कुमार साहनी 'रोमी साहनी' ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल, विधायक श्री शशांक वर्मा, श्री अमन गिरि, श्रीमती मंजू त्यागी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Palia, Lakhimpur Kheri Visit-Land Allotment Distribution-11 April, 2026